पटना में खुलेगा आई बैंक : नीतीश

पटना (एसएनबी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जल्द से जल्द आई बैंक खोलने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चिकित्सा विभाग को निदेश दिया गया है। तीन-चार महीनों में नियमावली का गठन कर आई बैंक स्थापित कराये जाने का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा।

बिहार में आई बैंक स्थापित किये जाने की मांग बराबर होती रही है। नेत्रदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। नेत्रदान करने वाले व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आंख को ससमय निकालने की व्यवस्था होनी चाहिये। आंख निकालने के बाद इसका 24 से 72 घंटे के अंदर प्रत्यर्पण होता है इसलिये आंख का इस्तेमाल तत्क्षण होना चाहिये। आई बैंक स्थापित होना चाहिये, इसका मैं पक्षधर हूं। ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राजाबाजार मंगल मार्केट के निकट दिव्यदृष्टि आई सेन्टर के नये भवन का उद्घाटन करने के बाद कहीं। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा विश्वास है कि दिव्यदृष्टि आई सेन्टर हर तरह के नेत्र रोग की समस्या का समाधान करने में सफल होगा, तरक्की करेगा और यह सेन्टर ख्याति प्राप्त करेगा। इससे कई नेत्र रोग विशेषज्ञ जुड़ेंगे। उन्होंने आई सेन्टर के मुख्य चिकित्सक डॉ. सुभाष प्रसाद को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में अपना स्थान बनाया है। समय-समय पर वे भी इस केन्द्र में आते रहे हैं। सुभाष प्रसाद को मैंने कहा था कि आपकी ख्याति है, आपका क्लिनिक छोटा है और मरीजों की संख्या बहुत अधिक है, ऐसी स्थिति में आप नेत्र रोग की चिकित्सा के लिए एक विशेषज्ञ नेत्र रोग अस्पताल की स्थापना करें। तीन-चार सप्ताह पहले आपने मुझे अस्पताल के निर्माण कार्य के पूरा हो जाने और उद्घाटन समारोह में आने का निमंत्रण दिया, इससे मुझे बेहद खुशी हुई। यहां कुछ उपकरण ऐसे हैं, जिनका बिहार में पहली बार उपयोग होगा। इस तरह से यह एक पूर्ण नेत्र अस्पताल बन जायेगा। इस मौके पर डॉ. पीएन राय ने कहा कि बिहार में ही मोतियाबिन्द का पहला ऑपरेशन हुआ था। आज हम बहुत सारे मामलों में पीछे दिख रहे हैं। पूरा विश्वास है कि बिहार अपने (शेष पेज 15 पर)

- चार माह में बनेगी नियमावली
- नेत्रदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी

आई सेंटर के नये भवन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री।